सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 9 ● अंकः 90 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 5 मई, 2023
मूल्य ₹ 3/-
जिद...सच की

सफल लोग हमेशा दूसरों की मदद करने के अवसर खोजते रहते हैं। असफल लोग हमेशा पूछते रहते हैं कि इसमें मेरे लिए क्या है?

–ब्रायन ट्रेसी

जातिगत जनगणना जनता की... 7 | आनंद मोहन की रिहाई, चुनावी... 3 | पहले चरण में कुल 52 प्रतिशत... 2

पवार के पास ही रहेगा पावर

राकांपा में सियासी घमासान के बीच इस्तीफा नामंजूर

» कार्यकाल तक बने रहेंगे पार्टी अध्यक्ष

» मुंबई में राकांपा की कोर कमेटी की बैठक में फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार के इस्तीफे की घोषणा के बाद मुंबई में पार्टी की कोर कमेटी की बैठक चल रही है। इसमें सुप्रिया सुले, अजित पवार समेत कई दिग्गज नेता शामिल हुए। इस दौरान शरद पवार के इस्तीफे की पेशकश को नामंजूर कर दिया गया है।

बताया जा रहा है कि एनसीपी की कोर कमेटी ने शरद पवार से पार्टी का नेतृत्व जारी रखने का अनुरोध करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है। पार्टी नेता प्रफुल्ल पटेल ने यह प्रस्ताव पेश किया था। शरद पवार का पार्टी अध्यक्ष के रूप में जब तक कार्यकाल है, तब तक वह इस पद पर बने रहेंगे।

महाराष्ट्र के बाहर के कुछ पार्टी सहयोगी से आज मिलेंगे पवार

शरद पवार के एलान के बाद ही पार्टी के नेता और कार्यकर्ता प्रदर्शन करने लगे थे। उन्होंने शरद पवार से अपना फैसला वापस लेने की मांग की थी। इस बीच पवार ने कहा था कि महाराष्ट्र के बाहर के कुछ पार्टी सहयोगी इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को उनसे मिलेंगे। इसके बाद वे एक या दो दिनों में अपना अंतिम निर्णय लेंगे। शरद पवार के समर्थन में धरना दे रहे समर्थकों ने इस दौरान कहा था कि उन्हें किसी को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करना चाहिए और स्वयं उन्हें पार्टी अध्यक्ष की भूमिका में रहना चाहिए।

कार्यकाल पूरा करने का अनुरोध : प्रफुल्ल

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के उपाध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने बैठक में हुए फैसलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शरद पवार ने 2 मई को अचानक अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी। उनके फैसले से सभी हैरान थे। उन्होंने आगे की कार्रवाई के लिए और नए अध्यक्ष का चुनाव करने के लिए पार्टी नेताओं की एक समिति नियुक्त की। आज हमने समिति की बैठक की। इसमें हमने पवार साहेब से यह अनुरोध किया है कि वह अपना कार्यकाल पूरा करें।

अध्यक्ष को लेकर माथापच्ची

महाराष्ट्र में चर्चा है कि बारामती से लोकसभा सदस्य एवं शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने की संभावना है, जबकि अजित पवार को महाराष्ट्र इकाई की कमान सौंपी जा सकती है। 1999 में अस्तित्व में आई राकांपा की बागडोर पवार परिवार के हाथों में ही रहने की संभावना है, क्योंकि किसी और को कमान सौंपे जाने की सूरत में पार्टी में दरार पनपने और वर्चस्व की लड़ाई शुरू होने की आशंका है। स्थानीय नेताओं ने जोर देकर कहा कि तीन बार की लोकसभा सदस्य सुले खुद को एक प्रभावी सांसद के रूप में स्थापित करने में कामयाब रही हैं और उनके विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से अच्छे रिश्ते हैं, जबकि अजित पवार की राकांपा की प्रदेश इकाई पर अच्छी पकड़ है और उन्हें एक सक्षम प्रशासक के रूप में व्यापक स्वीकार्यता हासिल है। इन नेताओं ने यह भी कहा कि अजित पवार ने हाल ही में महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने की अपनी ख्वाहिश उजागर की थी, जबकि सुले ने हमेशा स्पष्ट किया है कि उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में दिलचस्पी है।

कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

शरद पवार के इस्तीफे पर कमेटी के फैसले के बाद एनसीपी कार्यकर्ताओं में जश्न शुरू हो गया है। इससे पहले कई शहरों में शरद पवार के समर्थन में कार्यकर्ता सड़क पर उतरे है। वे लगातार उनसे फैसला वापस लेने की मांग कर रहे हैं.। उनका कहना है कि शरद पवार को ही अध्यक्ष रहना चाहिए। पवार के समर्थन में कई जगह पोस्टर, होर्डिंग लगाए गए हैं, पुणे में एक पोस्टर लगा है, जिसपर लिखा है– आज महाराष्ट्र ही नहीं पूरे देश को आपके नेतृत्व की जरूरत है।

बिलावल की मौजूदगी में जमकर बरसे जयशंकर

» भारत ने उठाया आतंकवाद का मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पणजी। गोवा के पणजी में शुक्रवार को विदेश मंत्रियों की एससीओ परिषद की बैठक शुरू हो गई है। बैठक से पहले भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने एससीओ के सदस्य देशों को विदेश मंत्रियों का स्वागत किया। इस बैठक में शामिल होने के लिए पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी भी भारत पहुंचे हैं। शुक्रवार को विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले भारतीय विदेश मंत्री ने पाकिस्तानी विदेश मंत्री का स्वागत किया।

एससीओ की बैठक के दौरान अपने संबोधन में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने आतंकवाद का मुद्दा उठाया और परोक्ष रूप से पाकिस्तान को निशाने पर लिया। जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद का कहर जारी है। हमारा ये मानना है कि किसी भी तरह से आतंकवाद को सही नहीं ठहराया जा सकता और इसे रोका जाना चाहिए। इसमें सीमा पार से आतंकवाद और अन्य सभी तरह का आतंकवाद शामिल है। एससीओ की बैठक का मूल उद्देश्य आतंकवाद से मुकाबला है।

मिलाए हाथ!

पाकिस्तानी विदेश मंत्री शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में शामिल होने के लिए गुरुवार को गोवा पहुंचे। गुरुवार की शाम को एससीओ के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मान में डिनर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विदेश मंत्रियों ने एक दूसरे का अभिवादन किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया लेकिन इसकी तस्वीरें सामने नहीं आई हैं। बता दें कि करीब 12 साल बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्री भारत का दौरा कर रहे हैं।

सामूहिक हत्याकांड से दहल उठा मध्य प्रदेश

» मुरैना में दबंगों ने गिरा दीं छह लाशें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरैना। बीजेपी शासित राज्य मध्य प्रदेश में मुरैना जिले के पोरसा के लेपा गांव में गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई है। पांच लोग घायल हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। हालांकि, एसपी नरेंद्र सिंह नरवरिया ने तीन मौतों की पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ। इसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना का वीडियो बनाया जो वायरल हो रहा है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक धीर सिंह और गजेंद्र सिंह के परिवार के बीच साल 2013 में विवाद हुआ था। इसमें धीर सिंह के परिवार के 2 लोगों की हत्या कर दी गई थी। हत्या का आरोप गजेंद्र सिंह के परिवार पर लगा था। इसके बाद दोनों पक्ष के बीच समझौता हो गया था। समझौते के बाद आरोपी पक्ष गजेंद्र सिंह अपने परिवार के साथ गांव आ गया था। शुक्रवार की सुबह भी सिंह पक्ष ने गजेंद्र सिंह के परिवार पर लाठी–डंडे और गोली से हमला बोल दिया। इस घटना में छह लोगों की अब तक मौत हो गई और 5 घायल हैं।

पहले चरण में कुल 52 प्रतिशत मतदान

» प्रयागराज वोटिंग में रहा पीछे, महराजगंज में खूब निकले वोटर, 66.48 फीसदी पड़े वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव के पहले चरण में बृहस्पतिवार को 37 जिलों में 52 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। जनपद महराजगंज में मतदान का प्रतिशत सबसे ज्यादा 66.48 रहा, जबकि सबसे कम वोट प्रयागराज के लोगों ने 33.61 प्रतिशत डाले। विभिन्न स्थानों पर हंगामे और झड़पें भी हुईं, लेकिन सभी जगह स्थिति नियंत्रण में रही।

उन्नाव नगर पलिका अध्यक्ष पद की सपा प्रत्याशी नीतू पटेल के पति रमन पटेल का सोशल मीडिया पर नोट बांटते हुए वीडियो वायरल हुआ। उनके खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन की रिपोर्ट दर्ज की गई है। 388 निकायों के 7592 पदों के लिए चुनावी रण में उतरे 44226 उम्मीदवारों का भाग्य बृहस्पतिवार को ईवीएम और मतपेटिकाओं में बंद हो गया। पहले चरण में मतदाताओं ने धीमी गति से वोट डालने की शुरुआत की। सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ और शुरुआती दो घंटे में यानी नौ बजे तक मात्र 12.25 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। 11 बजे 20 प्रतिशत ही मतदान हो पाया। एक बजे तक 28 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मतों का प्रयोग किया।

34 जिलों में घटा, तीन में बढ़ा मतदान

37 में से 34 जिले ऐसे रहे जिनमें मतदान प्रतिशत पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार गिर गया। केवल तीन जिलों में मतदान प्रतिशत बढ़ा। गोरखपुर, जौनपुर, मुरादाबाद में ही पिछले साल के मुकाबले ज्यादा मतदान हुआ।

कई निगमों में प्रत्याशी समर्थकों के बीच झड़पें

नगर निगमों में जहां 10 महापौर एवं 820 पार्षद पदों के लिए चुनाव हुए। कई निगमों में प्रत्याशी समर्थकों के बीच झड़पें हुईं। अन्य स्थानों पर भी हंगामा हुआ। अमरोहा की गजरौला नगर पालिका क्षेत्र में बसपा प्रत्याशी समर्थकों ने वोट न डालने देने का आरोप लगाया। हंगामा इतना बढ़ा कि जमकर पथराव हुआ। इसमें पोलिंग पार्टियों को लेकर गईं कई बसों के भी शीशे टूट गए। अमरोहा में भी पुलिस को लाठियां चलानी पड़ीं। झांसी में भी हंगामे की सूचना आई। वाराणसी में फर्जी मतदान को लेकर हंगामा हुआ। 30 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया। गाजीपुर में सपा प्रत्याशी ने थाने में धरना दिया। मैनपुरी में दो प्रत्याशियों के बीच भिड़ंत हो गई। जबकि राज्य निर्वाचन आयोग आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि सभी जगह शांतिपूर्वक मतदान हुआ है। चंदौली की नगर पंचायत चकिया के वार्ड-3 के एक सदस्य का नाम मतपत्र में गलत होने के कारण यहां फिर से मतदान कराया जाएगा।

सपा ने लगाया निकाय चुनाव में धांधली का आरोप

निर्वाचन आयोग से की शिकायत

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने भाजपा पर निकाय चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है। फर्जी वोट डलवाने, मतदाताओं को धमकाने, विशेष संप्रदाय के लोगों को मतदान नहीं करने देने का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयुक्त को ज्ञापन सौंपा है। मांग की है कि पूरे मामले में तत्काल कार्रवाई की जाए, ताकि मतदान की स्वतंत्रता एवं निष्पक्षता बनी रहे। पार्टी प्रतिनिधि मंडल की ओर से दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाया है कि मैनपुरी के नगर पंचायत कुसमरा में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप चौहान ने बूथ कैप्चरिंग की। घिरोर में भाजपा नेता अनुजेश यादव ने फर्जी आधार कार्ड से बाहरी लोगों का वोट डलवाया। भोगांव पुलिस ने सपा प्रत्याशी नसरीन बानो के पति अकबर कुरैशी को गिरफ्तार कर लिया। लखनऊ के सरोजनी नगर द्वितीय में ईवीएम खराब रही। प्रतापगढ़ के कुंडा में एमएलसी अक्षय प्रताप सहित अन्य लोगों ने बूथ पर जाकर मतदाताओं को धमकाया। सराहनपुर में अर्द्धसैनिक बल के सिपाहियों ने मुस्लिम व दलित बहुल मतदान केंद्रों पर आधार कार्ड जांच के नाम पर मतदाताओं को भयभीत कर मतदान से रोका। गोरखपुर में पीठासीन अधिकारी की सूची और बीएलओ की पर्ची में अंतर मिला। पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने सभी जिलों की बूथवार गड़बड़ियों की सूची भी सौंपी है। ज्ञापन देने वालों में पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी, पूर्व सांसद अरविंद सिंह, विधायक रविदास मेहरोत्रा, पूर्व एमएलसी डा. राजपाल कश्यप शामिल थे।

मेनका गांधी ने रेलवे से मांगे एक करोड़ या पक्की सड़क

» फिसल कर गिरीं सांसद, कमर टूटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर शहर में फिसलकर गिरने के बाद भाजपा सांसद मेनका गांधी ने रेलवे के डीआरएम से एक करोड़ का बिल भेजने अथवा मौके पर पक्की सड़क बनाने की मांग की है। सांसद के अनुसार रेलवे ने पक्की सड़क एक माह में तैयार करने का वादा किया है।

जिला मुख्यालय के घासीगंज वार्ड में खराब सड़क व कीचड़ के बीच चुनाव प्रचार करने जा रही सांसद मेनका गांधी सोमवार की शाम फिसल कर गिर गई थी। वहीं दूसरे दिन भाजपा की ओर से जारी प्रेस नोट में कहा गया था कि सांसद जिस सड़क पर फिसल कर गिरी थी वह रेलवे की जमीन है। जिस पर बिना रेलवे की अनुमति के सड़क नहीं बनाई जा सकती है। ऐसे में सांसद ने रेलवे के डीआरएम को फोन कर गिरने की वजह से कमर टूटने व उसके इलाज के लिए एक करोड़ रुपये के खर्च का हवाला दे दिया। उन्होंने विकल्प दिया है कि एक करोड़ के बजाए रेलवे मौके पर आम जनता के लिए पक्की सड़क बनवा सकता है। सांसद के अनुसार सड़क बनाने का वादा रेलवे अधिकारी ने किया है।

बैन जैसे मामलों पर बोलना नहीं चाहता

» विपक्षी दलों को एकजुट करने की दिशा में कर रहा काम : नीतीश कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में बजरंग दल पर बैन लगाने की मांग के सवाल को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार टाल गए। उन्हीं की पार्टी के सांसद कौशलेंद्र कुमार ने बुधवार को बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि फिलहाल, मैं ऐसे मामलों पर बोलना नहीं चाहता।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अभी हम सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने की दिशा में काम कर रहे हैं। एक बार सभी एकजुट हो जाएंगे तो हम सब एक साथ बैठेंगे और एक साझा एजेंडे के साथ सामने आएंगे। तब तक, मैं ऐसे किसी मामलों पर बोलना नहीं चाहता। इधर,

समय आने पर पटनायक से मिलूंगा

विपक्षी एकता को लेकर भी मुख्यमंत्री ने बयान दिया। उन्होंने मीडिया में शुक्रवार को अपने ओडिशा दौरे पर जाने की चल रही खबर पर आश्चर्य जताया। उन्होंने नवीन पटनायक से मिलने की खबरों पर कहा कि मैंने कई नेताओं से मुलाकात की है। अभी कई और

नेताओं से मुलाकात करुंगा लेकिन यह बहुत जल्द नहीं होने जा रहा है। नीतीश कुमार के इस बयान से संकेत मिल रहे हैं कि वे कर्नाटक में चुनाव खत्म होने का इंतजार कर रहे हैं। वहां चुनाव खत्म होते ही वे एक बार फिर अपना विपक्षी एकजुटता का अभियान शुरू करेंगे।

अटल को किया याद

अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री कार्यकाल को याद किया और लगे हाथ केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटल जी ने सभी की परवाह की और जब वह प्रधानमंत्री थे, तब हिंदू-मुस्लिम की कोई बड़ी समस्या नहीं थी। इसके साथ ही नीतीश कुमार ने रेल हादसे के दौरान अपने इस्तीफे की बात भी याद दिलाई। उन्होंने कहा कि एक दुर्घटना के बाद रेल मंत्री के होने के नाते मुझे इस्तीफा देना पड़ा। अटलजी को मेरा इस्तीफा स्वीकार करने के लिए मनाने में मुझे बहुत मशक्कत करनी पड़ी। कोई भी नैतिक आधार पर इस्तीफा नहीं देता है। मौजूदा व्यवस्था में अटल जी के लिए भी बहुत कम सम्मान है क्योंकि यह आज क्रेडिट लेने की होड़ लगी है।

कर्नाटक में गरजेंगे अखिलेश यादव

» तीन दिन के दौरे में करेंगे पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में जनसभा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव तीन दिन कर्नाटक में रहेंगे। वह शुक्रवार लखनऊ से रवाना हो जाएंगे और सात को लौटेंगे। कर्नाटक में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में जनसभा करेंगे। निकाय चुनाव के बीच अखिलेश यादव की कर्नाटक यात्रा को लोकसभा चुनाव की तैयारी के मद्देनजर अहम माना जा रहा है। सपा को राष्ट्रीय पार्टी बनाने की रणनीति का भी अहम हिस्सा है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लगातार राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय हैं। दोबारा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने सपा को राष्ट्रीय पार्टी बनाने का संकल्प लिया है। इसी के तहत वह विभिन्न राज्यों का निरंतर दौरा कर रहे हैं। सपा ने गुजरात में एक विधानसभा सीट जीतने के बाद अब कर्नाटक की 224 विधानसभा सीटों में 14 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

14 सीटों पर सपा ने उतारे उम्मीदवार

मालूम हो कि कर्नाटक में सपा ने वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में 20 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे, लेकिन एक भी उम्मीदवार जीत नहीं पाया था। यहां की पांच सीटों पर पार्टी के नेता जमकर पसीना बहा रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि ये सीटें उनके खाते में आ सकती हैं। इनमें अफजलपुर, कलाबुर्गी, सोरबा, चित्रदुर्ग पर मजबूत स्थिति में होने का दावा किया जा रहा है। इन सीटों पर वह जनसभा को संबोधित करेंगे। वह दो दिन बंगलुरु में रुकेंगे। इस दौरान पार्टी नेताओं के साथ ही अन्य दलों के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे।

मायावती की जनसभा आज

बसपा सुप्रीमो मायावती कर्नाटक में हो रहे विधानसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में शुक्रवार को रैली को संबोधित करेंगी। बंगलूरू के पैलेस ग्राउंड में रैली के बाद वह पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगी। बसपा पंजाब को छोड़कर देश में कहीं भी किसी भी विरोधी पार्टी से गठबंधन न करने की नीति के तहत कर्नाटक में भी अकेले ही चुनाव लड़ रही है।

एक वोट का सवाल है...

आनंद मोहन की रिहाई, चुनावी लड़ाई!

- भाजपा-राजद-जदयू सबकी नजर में चुनाव
- बाहुबली से किसी सियासी पार्टी को नहीं परहेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कहते हैं न वोट के लिए कुछ भी करेगा। इसमें गलत कुछ भी नहीं है पर बात तब गड़बड़ हो जाती है या विवाद में आ जाती है जब राजनैतिक दल ऐसे फैसले कर लेते हैं जो नैतिक रूप से ठीक नहीं होते। जैसे हाल ही में बिहार सरकार द्वारा जेल मैनुअल में हुई तब्दीली और बाहुबली नेता आनंद मोहन की रिहाई करने का लिया गया । इसके बाद से राजनीति गरमाई हुई है। विपक्ष के निशाने पर नीतीश कुमार की सरकार आ गई है। ऐसा नहीं है ये फैसला किसी सरकार ने पहली बार लिया है इस तरह के निर्णय भाजपा, कांग्रेस व अन्य दलों की सरकारों ने भी लिए है। अपने यहां सियासी पार्टियों के साथ दिक्कत यही है वे करें तो पुण्य और करे तो पाप। बिहार की राजनीति का वह दौर सबको याद होगा जब सवर्णों को कांग्रेस का वोटर माना जाता था। कल तक जो कांग्रेस के वोटर थे आज भाजपा के वोटर हैं। और सबसे बड़ी बात यह है कि वे भाजपा में अपना भविष्य देख रहे हैं। बिहार के महागठबंधन में इन दिनों मरता क्या नहीं करता वाली स्थिति है। जेल मैनुअल में हुई तब्दीली और बाहुबली नेता आनंद मोहन की रिहाई से तो यही लगता है कि वोट बैंक के लिए महागठबंधन अब कुछ भी करने को तैयार है। गोपालगंज के डीएम जी. कृष्णैया की हत्या मामले में आनंद मोहन उम्रकैद की सजा काट रहे थे। हालांकि आनंद मोहन की रिहाई कोई इत्तेफाक नहीं है। इसकी पटकथा पिछले कुछ वर्षों से लिखी जा रही थी। सो अब यह पटकथा पूरी हो गई है। लेकिन दिलचस्प यह है कि रिहाई की यह पटकथा उन लोगों ने लिखी है जो कभी उनके धुर विरोधी हुआ करते थे। बहुत से लोगों को मंडल कमीशन का वह दौर याद होगा।

मंडल कमीशन का किया था विरोध

1990 में जनता दल के टिकट पर जब पहली बार आनंद मोहन महिषी विधानसभा से विधायक चुने गए तो सबसे पहला काम उन्होंने मंडल कमीशन का विरोध करने का किया। इसके खिलाफ वे सड़कों पर उतरे। राजपूतों के बीच अपनी पकड़ बनाई और अन्य सवर्ण वोटरों के मन में अपने प्रति सहानुभूति जगाने में वे कामयाब रहे। वैशाली लोकसभा उपचुनाव में उनकी पत्नी लवली आनंद ने आरजेडी को पटखनी दी और संसद पहुंच गईं। लेकिन अब यह सब पुराने दिनों की बात है। राजनीति में कोई भी संबंध स्थाई नहीं होता। सो कल के धुर विरोधी आज एक साथ नजर आ रहे हैं। लेकिन बदलती राजनीति के इस दौर में भी लोगों को यह जानने का पूरा हक है कि उन विचारधाराओं का क्या हुआ जिसकी राजनीति ये राजनेता कर रहे थे? क्या राजद और जदयू ने मंडल कमीशन का मोह त्याग दिया है या फिर आनंद मोहन यह मानने लगे हैं कि मंडल कमीशन का विरोध करके उन्होंने बड़ी भूल की थी?

राजद की नजर राजपूत वोटरों पर

पिछले कुछ वर्षों में राजद ने भी अपनी छवि सुधारने की कोशिश की है। आम तौर पर राजद को सवर्ण विरोधी और पिछड़ों-दलितों की राजनीति करने वाला दल माना जाता है। लेकिन आनंद मोहन की छवि ठीक इसके विपरीत है। राजद का 'माय समीकरण' आज भी यह भूल पाने की स्थिति में नहीं है कि आनंद मोहन की छवि न सिर्फ बाहुबली नेता वाली है, बल्कि वे दलित और पिछड़ा विरोधी भी हैं। दूसरी ओर राजद है जो आज भी माय समकीरण को लेकर बेफिक्र और सवर्ण वोटों की सेंधमारी करने में लगा है। उसे लग रहा है कि आनंद मोहन के आ जाने से उनके खाते में बिहार के राजपूतों का वोट भी आ जाएगा। बिहार में राजपूत वोट 6 से 8 प्रतिशत है। लेकिन यह कहना अतिश्योक्तिपूर्ण होगा कि आनंद मोहन के आ जाने से राजपूत के तमाम वोट महागठबंधन के खाते में जाएंगे। बिहार की राजनीति में जाति आज भी सत्य है लेकिन समय कबिलाई सरदारों के जमाने से थोड़ा आगे निकल चुका है। आनंद मोहन के आने या उनके कहने से राजपूतों के कुछ वोट इधर-उधर हो सकते हैं लेकिन पूरा राजपूत समाज महागठबंधन के पक्ष में उठ खड़ा होगा, यह कहना अतिश्योक्तिपूर्ण ही है। महागठबंधन के लिए यह दो नाव पर सवारी करने जैसा हो सकता है। युद्धों के इतिहास में एक बात अक्सर देखने को मिलती है कि राजा मुख्य किले को लेकर बेफिक्र है और उसने दूसरे किले पर चढ़ाई शुरू कर दी है। दुश्मन को यह बात पता है कि राजा और उसके सैनिकों का ध्यान अभी दूसरे किले पर लगा है सो दुश्मन मुख्य किले को अपने कब्जे में ले लेता है। सारे हथियार और गोला-बारूद मुख्य किले में ही है, सो राजा दूसरे किले की लड़ाई भी हार जाता है।

छवि सुधारने का प्रयास कर रहे बाहुबली

आनंद मोहन के समर्थक भले यह कहें कि डीएम हत्याकांड मामले में वे निर्दोष हैं लेकिन सत्य तो यही है कि इस पर कोर्ट भी मुहर लगा चुका है। इसलिए ऐसा कहना कि वे पूरी तरह निर्दोष हैं, कहीं न कहीं कोर्ट की अवमानना ही है। दूसरा और सबसे बड़ा प्रमुख कारण यह है कि जेल से रिहा होने के बाद पप्पू यादव ने लगातार अपनी छवि सुधारने की कोशिश की। बाहुबली नेता वाली छवि को त्याग कर वे लोगों के बीच गए और उनके सुख-दु:ख से नाता जोड़ने की कोशिश की। 'माय समीकरण' को आज भी पप्पू यादव के प्रति सहानुभूति है और बहुत से लोगों को यह जानकर हैरानी हो सकती है कि सवर्णों के मन में भी उनके प्रति सहानुभूति उपजने लगी है। हालांकि आज भी उनके खिलाफ कई संगीन मामले विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। दूसरी ओर आनंद मोहन को बाहुबली वाली नेता की छवि से बाहर निकलने में अभी लंबा वक्त लगेगा। जदयू-राजद इस सत्य से परिचित हैं कि पप्पू यादव उनके लिए अधिक फायदेमंद हो सकते हैं लेकिन वे पप्पू यादव के भरोसे रहना नहीं चाहते। दोनों के बीच एक अंतरविरोध है जो साफ दिखता है। राजद छोड़कर पप्पू यादव ने जनाधिकार पार्टी के नाम से अपनी दूसरी पार्टी बना ली है। उनकी पत्नी रंजीता रंजन कांग्रेस से सांसद रह चुकी हैं और जानी-मानी नेत्री हैं। कयास यह भी लगाया जा रहा है कि पप्पू यादव की पार्टी का विलय कांग्रेस में हो सकता है। ऐसी परिस्थिति जदयू और राजद दोनों के लिए विचलित करने वाली हो सकती है। भाजपा के मजबूत होने से कांग्रेस के साथ गठबंधन करना इनकी मजबूरी है। लेकिन जदयू और राजद कभी नहीं चाहेंगे बिहार में कांग्रेस फिर से मजबूत हो। क्योंकि इससे भी नुकसान उन्हीं को है, भाजपा को नहीं। आनंद मोहन की रिहाई से वोट बैंक कितना प्रभावित होगा, यह तो समय बताएगा लेकिन इतना तय है कि उनकी रिहाई से आने वाले कुछ दिनों तक बिहार की राजनीति का पारा चढ़ा रहेगा।

भाजपा ने भी चुप्पी साधी

हालांकि भाजपा ने भी अभी तक खुलकर आनंद मोहन की रिहाई का विरोध नहीं किया है। भाजपा तब भी चुप थी जब आनंद मोहन की रिहाई के लिए जेल मैनुअल में बदलाव किया जा रहा था। शायद भाजपा को भी राजपूत वोटों की चिंता थी। भाजपा अब आनंद मोहन की रिहाई का विरोध करने लगी है लेकिन दूसरे तरीके से। अब भाजपा कह रही है कि आनंद मोहन की रिहाई तो ठीक है लेकिन उनके साथ 27 अन्य अपराधियों को क्यों रिहा किया गया है? दूसरी ओर भाजपा यह भी बताने की कोशिश कर रही है कि आनंद मोहन को रिहा कर महागठबंधन ने दलित विरोधी काम किया है इससे भी ज्यादा दिलचस्प हैं आनंद मोहन के वे समर्थक जो उनकी रिहाई के अवसर पर उनसे मिलने सहरसा पहुंचे थे। बिहार और कोसी के विभिन्न क्षेत्रों से सहरसा पहुंचे उनके कई समर्थकों का कहना यह था कि वे आनंद मोहन की रिहाई का स्वागत करते हैं लेकिन वे लोग आनंद मोहन को जदयू-राजद के साथ नहीं देखना चाहते। वे आनंद मोहन को भाजपा के साथ देखना पसंद करते हैं। राजपूत हो या भूमिहार, ब्राह्मण हो या कायस्थ, उन्हें आनंद मोहन जैसे नेताओं में अपना कोई भविष्य नजर नहीं आ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भाजपा ने दलितों-पिछड़ों को अपनी ओर अकर्षित करने में कामयाबी पाई है। और निश्चित रूप से दलितों-पिछड़ों को यह समझाने में कामयाब होगी कि डीएम जी. कृष्णैया के हत्यारोपियों को रिहा कर महागठबंधन ने दलित विरोधी काम किया है। क्योंकि तेलंगाना के रहने वाले आइएएस अधिकारी जी. कृष्णैया दलित समुदाय से आते थे और ईमानदार अधिकारी माने जाते थे। आने वाले चुनावों में संभव है कि बिहार की राजनीति में कुछ पुराने समीकरण टूटे और कुछ नए समीकरण बने।

गले मिल रहे हैं जानी दुश्मन

महागठबंधन ने एक जमाने के 'जानी दुश्मन' को भी एक साथ लाने की कोशिश की है। पिछले वर्ष नवंबर में बेटी की सगाई के अवसर पर आनंद मोहन पैरोल पर रिहा होकर आए थे। इसके लिए पप्पू यादव को भी न्योता भेजा गया था। गलबहियां करते हुए दोनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी। यूं तो यह एक औपचारिक मुलाकात थी लेकिन इसके कई राजनीतिक मायने निकाले गए। यह सवाल भी दागा गया कि क्या एक जमाने के 'जानी दुश्मन' अब एक साथ आएंगे? कोसी क्षेत्र में इन दोनों की 'जानी दुश्मनी' के कई किस्से आज भी मशहूर हैं। दोनों गुटों के बीच कई बार गैंगवार की घटनाएं हो चुकी हैं। 90 के दशक में दोनों गुटों के बीच आपसी वर्चस्व को लेकर हुए संघर्ष में कई जानें जा चुकी हैं। तो सवाल उठता लाजिमी था ही। लेकिन बिहार के वर्तमान राजनीतिक परिदृयय पर गौर करें तो पाएंगे कि महागठबंधन के लिए पप्पू यादव आज ज्यादा लाभदायक हैं, न कि आनंद मोहन। इसके कई कारण हैं। पहला कारण तो यह है कि पप्पू यादव माले नेता अजीत सरकार हत्या मामले में सुबूतों के अभाव में बरी किए जा चुके हैं लेकिन डीएम जी. कृष्णैया हत्या मामले में आनंद मोहन को नीचली अदालत ने फांसी की सजा सुनाई थी, जिसे हाइकोर्ट ने उम्रकैद में बदल दिया।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ऑनलाइन गेमिंग पर कड़ी निगरानी जरूरी

“ देश दुनिया में ऑनलाइन गेमिंग का बाजार दिन दूनी रात चौगुनी गति से फलता फूलता जा रहा है। कोविड के बाद के हालातों खासतौर से ऑनलाइन स्टडी और वर्क फ्राम होम का एक दुष्प्रभाव यह सामने आया है कि युवा तो युवा बच्चे भी इसके जाल में फंसते जा रहे हैं। इसके दुष्प्रभाव भी तेजी से सामने आने लगे हैं वहीं यह माना जा रहा है कि आने वाले सालों में इसके कारोबार में और तेजी से बढ़ोतरी होगी।

ऑनलाइन गेमिंग के इस नेटवर्क का अंदाजा इसी से आसानी से लगाया जा सकता है कि एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में 900 गेमिंग कंपनियां कार्य कर रही हैं। नित नए गेम बनाकर उतार रही हैं। वही वित्त मंत्रालय ऑनलाइन गेमिंग को कौशल और किस्मत के खेल की श्रेणियों में वर्गीकृत करने और अलग-अलग दर से माल एवं सेवा कर लगाने पर विचार कर रहा है। ऐसे ऑनलाइन गेम जहां जीत-हार का फैसला किसी निश्चित परिणाम पर निर्भर है या उसकी प्रकृति सट्टेबाजी या जुए की है, वहां 28 फीसदी की दर से जीएसटी लगेगा। अकेले 2022 में ही 15 अरब नए गेम डाउनलोड किए गए। देश दुनिया में ऑनलाइन गेमिंग का बाजार दिन दूनी रात चौगुनी गति से फलता फूलता जा रहा है। कोविड के बाद के हालातों खासतौर से ऑनलाइन स्टडी और वर्क फ्राम होम का एक दुष्प्रभाव यह सामने आया है कि युवा तो युवा बच्चे भी इसके जाल में फंसते जा रहे हैं। इसके दुष्प्रभाव भी तेजी से सामने आने लगे हैं वहीं यह माना जा रहा है कि आने वाले सालों में इसके कारोबार में और तेजी से बढ़ोतरी होगी।

ऑनलाईन गेमिंग में लोग ठगी के शिकार भी बहुत ज्यादा हो रहे हैं। ऐसे में यह गंभीर चिंता का विषय हो जाता है। लाख प्रयासों के बावजूद देश में ऑनलाइन गेमिंग का बाजार थमना तो दूर की बात है बल्कि तीव्र गति से बढ़ता ही जा रहा है। पिछले एक साल में ही ऑनलाइन गेमिंग के मैदान में पांच करोड़ नए लोगों ने एंट्री ले ली है। 2021 में देश में ऑनलाइन गेम खेलने वालों की संख्या करीब 45 करोड़ थी जो 2022 में बढ़कर 50 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। यह अपने आप में चिंतनीय इसलिए भी हो जाता है क्योंकि युवा और क्या बच्चे इस ऑनलाइन गेम और गैम्बलिंग के जाल में फंसते जा रहे हैं। जानकारों की मानें तो कयास यह लगाया जा रहा है कि 2025 तक यह संख्या 50 करोड़ से 70 करोड़ तक पहुंच जाएगी। तस्वीर का नकारात्मक पहलू यह भी है कि ऑनलाइन गेमिंग के इस खेल में बच्चे तेजी से फंसते जा रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग व गैम्बलिंग के दुष्प्रभाव को जानते पहचानते भी प्रतिदिन नए लोग फंसते जा रहे हैं वहीं समाचारपत्रों के मुखपृष्ठ पर फुलपेज के विज्ञापन प्रमुखता से छपने लगे हैं तो सोशल मीडिया का भी इसको प्रमोट करने के लिए धड़ल्ले से उपयोग हो रहा है। 2016 में देश में ऑनलाइन गेमिंग का 54 करोड डॉलर का कारोबार था जो अब बढ़कर 2022 में 2 अरब 60 करोढ़ डालर को पार कर गया हैं वहीं जानकारों की मानें तो इसके 2027 तक चार गुणा ग्रोथ के साथ 8 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। दरअसल कोरोना के लॉकडाउन के दौर के बाद इसमें तेजी से विस्तार हुआ है। बच्चे जहां ऑनलाइन क्लासों के कारण इसकी चपेट में आ गए वहीं युवा लोग वर्क फ्रार्म होम के दौरान लुभावने विज्ञापनों के चक्कर में इसकी चपेट में आ गए हैं। इस पर कड़ी निगरानी जरूरी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हिमाचल से सौहार्द के रिश्ते सींचते रहे बादल

प्रेम कुमार धूमल

सरदार प्रकाश सिंह बादल... ये सिर्फ़ एक नाम नहीं, बल्कि पंजाब, पंजाबियत, अपनेपन, भरोसे की वो पहचान रहा, जो सालों-साल से देश के ललाट पर चमकदार पंजाबी साफ़े की तरह बंधा रहा। बादल साहब का अनूठा व्यक्तित्व था, उनसे हर मुलाकात स्मरणीय होती थी, प्रेरणा देती थी। जीवन में व्यक्ति को कैसा व्यवहार रखना चाहिए, इसका सबक सिखाती थी। मेरी उनसे मुलाकात 1970 के दशक में जनता पार्टी और अकाली दल की गठबंधन सरकार के दौरान हुई जब वे पंजाब के मुख्यमंत्री थे। पंजाब चंडीगढ़ कॉलेज टीचर यूनियन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के ग्रेड के लिए आंदोलन कर रहे थे। काफी संघर्ष के बाद बादल साहब ने हमारी मांगें मान ली। इसके बाद जालंधर के दोआबा कॉलेज में यूनियन की ओर से मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल जी का धन्यवाद करने के लिए आयोजन किया गया। हमारे प्रिंसिपल ओपी मोहन ने कहा, 'बादल साहब आप भलेमानस राजनीतिज्ञ हो, ऐसा बेहद कम होता है। हमारी प्रार्थना है कि आप यह भलमनसाहत कभी मत छोड़िएगा।' समूचे पंजाब में प्रकाश सिंह बादल जी की भलेमानस की छवि सदैव बनी रहेगी।

1998 में जब हिमाचल प्रदेश में हमने हिमाचल विकास कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई तो मैं बादल साहब से उनके घर पर जाकर मिला। वे बेहद प्रसन्न थे। केंद्र में स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार थी। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और हरियाणा में भी एनडीए गठबंधन की सरकारें थीं। उन्होंने कहा, 'बहुत अच्छा हुआ कि एक छोटा-सा राज्य जो हमारे अधीन नहीं था वहां भी आपने एनडीए की सरकार बना दी।' वे मुझे छोड़ने बाहर निकले। उन्होंने देखा कि मैं एंबेसडर कार में था। कहने लगे, 'कोई अच्छी-सी कार, हमारी कारों में जो खड़ी है ले जाओ। एंबेसडर कार में कहां इतना लंबा सफर करोगे।' नैना देवी का क्षेत्र जिसे चंगर कहा जाता है, वहां पानी की बड़ी किल्लत होती थी। गर्मियों में वहां के लोग अपने मवेशियों के साथ पंजाब में अपने रिश्तेदारों के पास चले जाते थे।

1983 में जब पंजाब में सरदार दरबारा सिंह मुख्यमंत्री थे और हिमाचल में वीरभद्र सिंह जी थे तब पानी के लिए एक समझौता हुआ था लेकिन वह कागजों तक ही सीमित रह गया। वर्ष 1998 में मेरे ध्यान में यह बात लाई गई। मैंने मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल जी को इस समस्या से अवगत कराया। हमने मुख्य सचिवों की एक बैठक तय की। बादल साहब ने अपने मुख्य सचिव आरएस मान को यह निर्देश देकर भेजा कि जाओ जैसे धूमल साहब कहें वैसे समझौता कर लेना। दोनों राज्यों में सहमति बनी और आनन्दपुर हाइड्रो चैनल से 25 क्यूसेक पानी श्रीनैना देवी क्षेत्र के लिए देने का फैसला हुआ। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि वह योजना सफल हुई। बादल साहब के कारण चंगर क्षेत्र के लोगों के लिए पीने के पानी की समस्या का निदान हुआ और उस क्षेत्र में सिंचाई भी की जा रही है। आज गर्मियों में किसी को घर नहीं छोड़ना पड़ता। चंबा जिले के साथ पंजाब का गुरदासपुर जिला लगता है। वहां डैम बनने से हिमाचल के कई गांव विस्थापित हुए। प्रत्येक विस्थापित परिवार के एक सदस्य को रोजगार दिया जाएगा। कई वर्ष बीतने के बाद भी किसी को रोजगार नहीं मिला। मैं चंबा में मिंजर के मेले में गया हुआ था तब वहां लोगों ने मांग उठाई। मैंने वहीं से बादल जी को फोन मिलाया और इस समस्या को उनके ध्यान में लाया। बादल साहब की यह महानता है कि उन्होंने फोन पर ही मेरी बात मान ली और कहा कि आप घोषणा कर दो कि डेढ़ सौ से ज्यादा जो विस्थापित परिवार हैं उनमें प्रत्येक परिवार के एक व्यक्ति को रोजगार दे दिया जाएगा। उन्होंने वादा पूरा भी कर दिया। लोगों को रोजगार मिल गया। प्रधानमंत्री वाजपेयी जी के प्रयासों से हमें औद्योगिक पैकेज मिला था। इससे बहुत से उद्योग भी आए। परंतु अधिकतर उद्योगपति चंडीगढ़ और पंचकूला में रहते थे। उन्हें पिंजोर घूमकर 'बद्दी, बरोटीवाला और नालाग?' आना पड़ता था। एक दिन प्रात:काल बादल साहब से मिलने गया था। नाश्ते पर बातचीत हुई और चंडीगढ़-बद्दी के बीच सड़क बनाने हेतु उनकी सहमति मिल गई। इसके परिणामस्वरूप बनने वाली सड़क से चंडीगढ़ और बद्दी के बीच की दूरी मात्र 22 किलोमीटर रह गई।

जब भी चुनाव होते, 'मुक्तसर में माघी' का मेला लगता या कोई और कार्यक्रम होता, बादल साहब हमेशा बुलाते थे। एक बार चुनाव में गुरदासपुर व अमृतसर जिलों में चुनाव प्रचार करने के बाद हम जालंधर पहुंचे। हम अलग-अलग जगहों पर ठहरे थे। अगले दिन सुबह लुधियाना में जनसभा थी। सवेरे बारिश शुरू हो गई। समय पर पहुंचने के लिए हम सभी दौड़े पर बादल साहब समय के हम से भी पक्के पाबंद थे। वे हमसे भी पहले पहुंच गए। मंच पर लगाए गए सोफे भीग गए थे। सुरक्षा वालों ने बादल साहब के लिए सोफे की एक सिंगल सीट जो सूखी थी उसका प्रबंध कर दिया था।

जन भागीदारी से ही पानी संरक्षण के बेहतर नतीजे

दीपक कुमार शर्मा

हर साल विश्व जल दिवस पर तो हम पानी के महत्व व संरक्षण को लेकर अच्छी-खासी चर्चा करते हैं। लेकिन उसके अगले ही दिन जल संरक्षण की बात करना भूल जाते हैं। यूं भी भारत आज दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश घोषित हो चुका है। लेकिन विशाल आबादी की पीने के पानी की जरूरत को लेकर चर्चा कम ही होती है। दरअसल, पेयजल का भंडार बेहद सीमित है। इसकी महत्ता के चलते हमें पानी की बचत, तर्कसंगत उपयोग को न केवल चर्चा का विषय बनाना होगा बल्कि उसको लेकर जमीनी स्तर पर काम भी करना होगा। बेशक सरकारें इस दिशा में काम कर रही हैं, लेकिन जन समुदाय की भूमिका के बिना सकारात्मक नतीजे आने वाले नहीं हैं।

देश में इन दिनों जातिगत जनगणना का मुद्दा सुर्खियों में रहा। लेकिन पानी जिसके बिना हम जीने की कल्पना नहीं कर सकते हैं क्या उस संसाधन की गणना की जरूरत को लेकर चर्चा नहीं होनी चाहिए। देश की आबादी के जीने के लिए जरूरी उपलब्ध जल स्रोतों का सही-सही हिसाब लगाने पर कोई खास चर्चा सामने नहीं आयी। हालांकि केंद्र सरकार ने जल निकायों की गणना करवाकर इस दिशा में काम किया है। अब जल निकायों की गणना की रिपोर्ट सामने आ चुकी है। रिपोर्ट में जल निकायों की गणना को लेकर जो आंकड़े आए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। देश में करीब चौबीस लाख चौबीस हजार जल निकाय हैं। इनमें 97 प्रतिशत जल निकाय ग्रामीण क्षेत्रों में तो वहीं सिर्फ 3 प्रतिशत शहरी इलाकों में हैं। इनमें से केवल 84 फीसदी जल निकाय उपयोग में हैं। बता दें कि जल निकायों में तालाब, झील, टैंक, जलाशय और जल संरक्षण योजनाएं शामिल हैं। इन जल निकायों में से 60 प्रतिशत तालाबों के रूप में हैं वहीं 3 फीसदी झीलों, 16 प्रतिशत टैंकों, 12 फीसदी जलाशयों और 9 प्रतिशत जल संरक्षण योजनाओं के तहत है। इनमें से अट्ठत्तर प्रतिशत मानव निर्मित व बाईस फीसदी प्राकृतिक हैं।

इस समय सबसे ज्यादा जल निकाय वाले पांच राज्यों में पहले स्थान पर पश्चिम बंगाल, दूसरे पर उत्तर प्रदेश, तीसरे पर आंध्र प्रदेश, चौथे पर उड़ीसा और पांचवें नंबर पर असम है। वहीं कुल जल निकायों में से पचास फीसदी ऐसे हैं जिनकी भंडारण क्षमता 1,000 से 10,000 क्यूबिक मीटर के बीच है। करीब सैंतीस फीसदी जल निकायों में भंडारण क्षमता 1,000 क्यूबिक मीटर से कम जबकि बाकी 12.7 फीसदी 10,000 क्यूबिक मीटर से अधिक वाले हैं। आश्चर्यजनक है कि जल निकायों के मामले में शीर्ष 30 जिलों में हरियाणा और पंजाब का एक भी जिला नहीं आता है। जो नि:संदेह चिंता का विषय है, क्योंकि ये दोनों राज्य कृषि प्रधान राज्यों में अग्रणी श्रेणी में हैं। पांच नदियों की भूमि पंजाब उपजाऊ मिट्टी, प्रचुर मात्रा में जल निकाय उपलब्ध होने के कारण कृषि क्षेत्र में देश का नेतृत्व करता है। 2011 की जनगणना के मुताबिक पंजाब की आबादी करीब पौने तीन करोड़ है व क्षेत्रफल 50362 वर्ग किलोमीटर। राज्य में कुल 16,012 जल निकाय हैं जिनमें 14,318 प्राकृतिक और 1,694 मानव निर्मित हैं। राजधानी व केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली में जल निकायों की पहली गणना में 893 का आंकड़ा सामने आया है।

कुल 1,483 वर्ग किमी क्षेत्र वाले दिल्ली की जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार करीब एक करोड़, सतासठ लाख है। वहीं 44,212 वर्ग किमी क्षेत्रफल वाले हरियाणा राज्य की आबादी ढाई करोड़ से ज्यादा है। हरियाणा में गणना के तहत 14,898 जल निकाय रिकॉर्ड किये गये हैं जिनमें 96.5 फीसदी तालाब हैं जबकि 59 प्रतिशत जल निकाय उपयोग में हैं। शेष 41 फीसदी जल निकाय सूखने, गाद जमने, लवणता और अन्य कारणों से उपयोग में नहीं हैं। राज्य में भू-जल पुनर्भरण के लिए 'उपयोग में' जल निकायों का करीब 10 फीसदी हिस्सा आता है। इस समय राज्य में 12,304 प्राकृतिक और 2,594 यानी करीब 17 फीसदी ही मानव निर्मित जल निकाय हैं जबकि पूरे देश में 78 प्रतिशत मानव निर्मित हैं। वर्ष 2018 में नीति आयोग की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत अपने इतिहास के सबसे भीषण जल संकट से जूझ रहा है। रिपोर्ट में बताया गया था कि 2030 तक देश में पानी की मांग, उपलब्ध आपूर्ति से दुगनी होने का अनुमान है।

अंतत: देश की जीडीपी में 6 प्रतिशत का नुकसान होने का अनुमान भी है। दरअसल रिपोर्ट हरियाणा-पंजाब सहित समस्त देश के प्रत्येक नागरिक को सोचने के लिए विवश करती है कि अब सभी को मिलकर जल निकायों को पुनर्जीवित करना होगा। नये जल निकायों का निर्माण करना और जो बने हुए हैं, उनकी जल भंडारण की क्षमता को बढ़ाना होगा ताकि आने वाली पीढ़ी को जल संकट का सामना न करना पड़े। हरियाणा के प्रत्येक गांव में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति बनी हुई है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व इसके जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन द्वारा इस कमेटी को सक्रिय करने के लिए जिला, खंड व ग्रामस्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक गांव में उक्त समिति जल संरक्षण की दिशा में बेहतर भूमिका निभा सकती है। आज देश में हर रोज करोड़ों-अरबों लीटर पानी की बर्बादी हो रही है। हरेक नागरिक को अब जल संरक्षण को अपना कर्तव्य मानकर इस दिशा में कदम उठाने होंगे। तभी हम पानी बचा पाएंगे और आने वाली पीढ़ी को भी जल संसाधन सौंप पाएंगे।

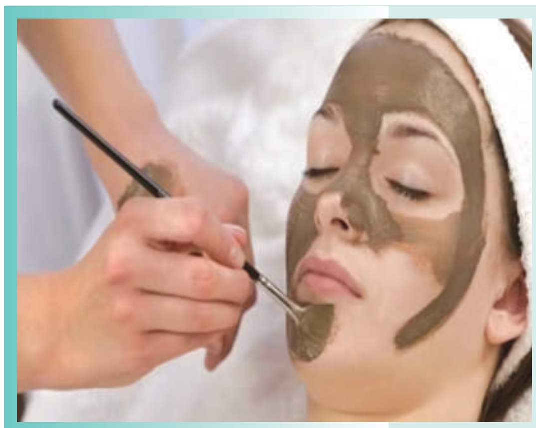

मुल्तानी मिट्टी और टमाटर का रस

टमाटर में कई ऐसे गुण पाए जाते है, जो स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। अगर आप मुल्तानी मिट्टी के साथ टमाटर का रस मिलाकर फेसपैक बनाएंगे तो उससे आपका चेहरा ग्लो करेगा। इस पैक को बनाने के लिए एक बाउल में करीब डेढ़ चम्मच मुल्तानी मिट्टी और दो टमाटर का रस मिला लें। तैयार होने के बाद बीस मिनट तक इसे चेहरे पर लगाएं और फिर फेस धो दें।

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा

गर्मियों के मौसम में एलोवेरा चेहरे पर ठंडक पहुंचाने का काम करता है। ऐसे में अगर आप इसे मुल्तानी मिट्टी के साथ मिलाकर लगाएंगी तो आपकी स्किन को काफी राहत मिलेगी। इसका फेसपैक बनाने के लिए एक बाउल में मुल्तानी मिट्टी लें और फिर इसमें 1 बड़ा चम्मच फ्रेश एलोवेरा जेल मिलाएं। इसके बाद इस पैक को बीस मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। सूख जाने के बाद इसे साफ कर लें। कुछ ही दिन में इसका असर दिखने लगेगा।

ऑयली स्किन में मुल्तानी मिट्टी देगी राहत

चिलचिलाती गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। धूप और तेज धूल भरी आंधी ने हर किसी को परेशान कर रखा है। इस मौसम में अपनी स्किन का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो गर्मी की शुरुआत से ही आपको स्किन से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, गर्मी के मौसम में स्किन पर धूप की वजह से टैनिंग होना तो आम बात है, पर जब रैशेज, खुजली, पिंपल्स होने लगते हैं तो दिक्कत बढ़ जाती है। सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों के सामने आती है, जिनकी स्किन ऑयली होती है। ऑयली स्किन वाले लोग गर्मी भर इसी बात से परेशान रहते हैं कि उनके चेहरे पर न तो सही से मेकअप टिक पाता है, और न ही चेहरा पसीने की वजह से ग्लो करता है। अगर आप भी गर्मी में ऑयली स्किन पर होने वाली इन समस्याओं से परेशान हैं, तो इसमें मुल्तानी मिट्टी आपको राहत दिला सकती है। आज हम आपको मुल्तानी मिट्टी से बने कई ऐसे फेसपैक के बारे में बताएंगे, जिसको लगाकर आपका चेहरा ग्लो करेगा।

मुल्तानी मिट्टी के साथ लगाएं शहद

शहद में कई तरह के गुण पाए जाते हैं, जो स्किन को काफी फायदा पहुंचाते हैं। इसके लिए आप एक बाउल में करीब एक से डेढ़ चम्मच मुल्तानी मिट्टी और करीब आधा चम्मच शहद मिलाएं। इस पैक में गुलाब जल भी मिला लें। इस पैक को चेहरे पर लगाएं।

नींबू के रस में मिलाएं मुल्तानी मिट्टी

अगर आप नींबू के रस में मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पैक तैयार करेंगे तो इससे आपकी स्किन ग्लो करने लगेगी। इसे बनाने के लिए दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी में दो चम्मच नींबू का रस मिलाएं। अगर पेस्ट गाढ़ा हो गया है, तो इसमें गुलाब जल मिला सकते हैं। इस पैक को मात्र बीस मिनट के लिए चेहरे पर लगाना है।

हंसना मना है

एक बार पप्पू को अकबर के सैनिकों ने पकड़ लिया और दरबार में लेके गये...अकबर- कौन हो तुम? पप्पू- महाराज मैं पप्पू हूं... अकबर- इतनी रात को हमारे महल में क्या कर रहे थे? पप्पू- कुछ..कुछ नहीं महाराज (घबराते हुए) अकबर- सैनिकों, इसे ले जाओ और बंदी बना दो...पप्पू- महाराज रहम करो, मुझे बंदी मत बनाओ मुझे बंदा ही रहने दो।

एक बार संता के फोन पर अनजान नंबर से कॉल आई। लड़की- क्या आप शादीशुदा हैं? संता- नहीं, पर आप कौन हो। लड़की- तुम्हारी बीवी, आज घर आना फिर बताउंगी। थोड़ी देर बाद फिर अनजान नंबर से कॉल आई। लड़की- क्या आप शादीशुदा हो? संता- हां, पर आप कौन? लड़की- तुम्हारी गर्लफ्रेंड, धोकेबाज। संता- सॉरी यार, मुझे लगा मेरी बीवी है। लड़की- बीवी ही हूं कुत्ते, आज तो बस तू घर आजा।

पप्पू ने अमरुद लिए तो उसमें से कीड़ा निकला। पप्पू अमरुद वाले से- इसमें तो कीड़ा है ! अमरुद वाला- ये किस्मत की बात है, क्या पता अगली बार मोटरसाइकिल निकल जाए। पप्पू- 2 किलो और दे दो।

ससुर: मेरी बेटी का ख्याल, रखना, इसकी आंखों में आंसू ना आने पाये, लड़का-ठीक है प्याज, मैं काट दूंगा पर, बर्तन इसे ही धोने होंगे।

कहानी — दो सांप

एक नगर में देवशक्ति नामक राजा रहा करता था। उसके पुत्र के पेट में एक सांप ने अपना डेरा जमा लिया था। यह देख राजा ने कई प्रसिद्ध वैद से उसका उपचार कराया, लेकिन स्वास्थ्य में सुधार नजर नहीं आ रहा था। एक दिन राजकुमार अपने राज्य से दूर दूसरे राज्य में चला गया और मंदिर में भिखारी की तरह रहने लगा। राजकुमार जिस राज्य में गया था, वहां बलि नामक राजा राज करता था। उसकी दो जवान बेटियां थीं। दोनों रोज सुबह अपने पिता का आशीर्वाद लेने जाती थीं। एक सुबह दोनों में एक बेटी ने राजा को प्रणाम करते हुए कहा महाराज की जय हो, आपकी कृपा से ही संसार में सब सुखी हैं। वहीं दूसरी बेटी ने कहा महाराजा, ईश्वर आपको आपके कर्मों का फल दे। यह सुनकर राजा क्रोधित हो जाता है और मंत्रियों को आदेश देता है कठोर शब्द बोलने वाली इस लड़की की शादी किसी गरीब लड़के के साथ कर दो, ताकि ये अपने कर्मों का फल स्वयं चख ले। राजा के आदेश के चलते मंत्री मंदिर के पास बैठे भिखारी से उसकी शादी कर देते हैं। वह भिखारी वही राजकुमार था, जिसके पेट में सांप थे। राजकुमारी उसे ही अपना पति मानकर सेवा करने लगती है। कुछ दिन बाद दोनों मंदिर छोड़कर दूसरे देश की यात्रा पर निकल जाते हैं, रास्ते में राजकुमार थक जाता है और एक पेड़ के नीचे विश्राम करने लगता है। राजकुमारी पास के गांव से भोजन लाने के लिए चली जाती है। जब वह वापस आती है, तो सोए हुए पति के मुंह से एक सांप को निकलते देखती है। साथ ही पास के एक बिल से भी सांप निकलता है। दोनों सांप बात करने लगते हैं, जिसे छिपकर राजकुमारी सुन लेती है। एक सांप कहता है तुम इस राजकुमार के पेट में रहकर इसे तकलीफ क्यों दे रहे हो। साथ ही तुम खुद के जीवन को भी खतरे में डाल रहे हो। अगर किसी ने राजकुमार को जीरा और सरसों का सूप पिला दिया, तो तुम्हारी मृत्यु हो जाएगी। फिर राजकुमार के मुंह से निकला सांप कहता है तुम इस बिल में रखे सोने के घड़ों की रक्षा क्यों करते हैं, जो तुम्हारे किसी काम के नहीं हैं। अगर किसी को इन घड़ों के बारे में पता चल गया, तो वो बिल में गर्म पानी या गर्म तेल डालकर तुम्हारी जान ले लेगा। थोड़ी देर बाद दोनों सांप अपनी-अपनी जगह वापस चले जाते हैं, लेकिन राजकुमारी दोनों सांपों के रहस्य को जा चुकी थी। इसलिए, राजकुमारी पहले राजकुमार को भोजन के साथ जीरा और सरसों का सूप पिला देती है। फिर उसके बाद बिल में गर्म पानी और तेल डाल देती है, जिससे दूसरे सांप की भी मृत्यु हो जाती है। इसके बाद बिल में रखे सोने से भरे घड़े को बाहर निकालकर दोनों अपने शहर लौट जाते हैं। राजा देवशक्ति अपने बेटे और उसकी पत्नी का धूमधाम से स्वागत करता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृषभ — दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मिथुन — प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क — दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे।

सिंह — अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कन्या — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

तुला — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक — नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

धनु — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर — यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें।

कुम्भ — धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

मीन — स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं लखनऊ से हूं, वहां तू नहीं आप कहते हैं : जावेद अख्तर

कंगना रनौत ने कुछ साल पहले जावेद अख्तर पर कई चौंकाने वाले आरोप लगाए थे, जिसके बाद से पूरी फिल्म इंडस्ट्री में कोहराम मच गया था। कंगना ने आरोप लगाया था कि जावेद अख्तर उन्हें धमकी देते हैं, इतना ही नहीं सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या के बाद तो अभिनेत्री ने जावेद अख्तर पर सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप तक लगा दिया था। इसके बाद अख्तर ने एक्शन लेते हुए कंगना के खिलाफ कोर्ट में अर्जी डाली जिस पर बुधवार को सुनवाई हुई। जावेद अख्तर ने मजिस्ट्रेट के सामने कहा, मुझ पर जो आरोप लगाए गए हैं वो सब गलत हैं। मैं लखनऊ से हूं, वहां तू नहीं बल्कि आप कहने का रिवाज है। चाहे कोई आपसे 30-40 साल छोटा ही क्यों ना हो। मैंने कभी अपने वकील तक से तू कह कर बात नहीं की। मैं अपने ऊपर लगे आरोपों से हैरान हूं। जावेद अख्तर ने आगे कहा, फरवरी 2020 में कंगना ने मुझपर एक इंटरव्यू के दौरान आरोप लगाए थे। इसके कुछ महीने बाद सुशांत सिंह राजपूत ने आत्महत्या कर ली। इसके बाद कंगना का एक इंटरव्यू चर्चा में आ गया, हालांकि मैंने उस पर अपनी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन जब उन्होंने मुझ पर सुसाइड करने के लिए उकसाने का आरोप लगाया तब मुझे अपमानित महसूस हुआ। इतना ही नहीं उन्होंने ये तक कहा कि मैं किसी सुसाइड ग्रुप का हिस्सा हूं और इसी तरह लोगों को आत्महत्या के लिए उकसाता हूं। ये सच बिल्कुल भी नहीं। जावेद अख्तर ने ये भी बताया कि वो और उनकी पत्नी शबाना आजमी कंगना रनौत के अभिनय को काफी पसंद करते हैं।

'खतरों के खिलाड़ी 13' में जलवा बिखेरेंगी साउंडूस

बॉलीवुड | मसाला

जल्द ही 'खतरों के खिलाड़ी 13' शुरू होने वाला है। इस बार स्टंट बेस्ड रियलिटी शो में कई नामी सितारे खतरों का सामना करेंगे। इनमें से एक मॉडल-एक्ट्रेस साउंडूस मौफ़क़ीर भी होंगी, जो डेटिंग बेस्ड शो 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 14' की विनर रह चुकी हैं। 'खतरों के खिलाड़ी 13' में भाग लेने के लिए साउंडूस काफी एक्साइटेड हैं।

साउंडूस मौफकीर रियलिटी शो 'रोडीज' में भी नजर आ चुकी हैं। अब वह 'खतरों के खिलाड़ी 13' में नजर आने वाली हैं। इस शो का पार्ट बनने के लिए वह काफी एक्साइटेड हैं। यहां तक कि वह हिंदी भी सीख रही हैं। साउंडूस ने ढ्ढह्लस् को दिए इंटरव्यू में कहा, फ्खतरों के खिलाड़ी 13 मेरे लिए सिर्फ एक शो नहीं है, बल्कि एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां मैं अपनी क्षमता और लिमिट्स को टेस्ट करूंगी। साउंडूस ने कहा कि वह ऑडियंस से कनेक्ट होने के लिए हिंदी सीख रही हैं। बकौल मॉडल, मेरा मानना है कि भाषा कभी भी खुद को एक्सप्रेस करने के लिए बाधा नहीं बननी चाहिए और मैं ऑडियंस के साथ अच्छे से कनेक्ट होना चाहती हूं। मैं शो को थैंक्यू बोलना चाहती हूं, जिन्होंने मुझे एक नई भाषा सीखने का अवसर दिया और मैं इसका फायदा उठाने की पूरी कोशिश करूंगी।

साउंडूस ने ये भी कहा, मुझे उम्मीद है कि हिंदी स्किल्स को इंप्रूव करने की मेहनत को ऑडियंस पसंद करेगी और शो में मेरे डर से सामना करने के मोमेंट को एंजॉय करेंगे।

ट्रोल करने वालों को टीना दत्ता ने दिया मुंहतोड़ जवाब

जितना नीचे गिराएंगे उतना ऊंचा उठूंगी

छोटे पर्दे की फेमस एक्ट्रेस टीना दत्ता इन दिनों सीरियल हम रहें ना रहें हम में जय भानुशाली के साथ काम करती नजर आ रही हैं। इसके पहले उन्होंने रियलिटी शो बिग बॉस 16 में हिस्सा लिया था, जहां उन्हें कई आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। एक्ट्रेस टीना दत्ता को उनकी पर्सनालिटी के लिए सकारात्मक कमेंट के साथ ही ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ता है। इसी कड़ी में टीना दत्ता ने उन्हें नीचा दिखाने वालों के लिए एक पोस्ट शेयर किया है, जिसके जरिए उन्होंने साफ किया है कि नकारात्मक बातों से वो खुद को बदलने नहीं वालीं।

टीना दत्ता ने अपनी खूबसूरत तस्वीर शेयर की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा। एक्ट्रेस ने लिखा, प्रिय ट्रोल्स, आप एक ऐसी दुनिया में जहां आप नफरत और नकारात्मकता फैलाने में विश्वास रखते हैं। ऐसे में आपको बता दूं कि जितना आप मुझे नीचे गिराने की कोशिश करेंगे, उतना ही ऊंचा उठने का मेरा उत्साह बढ़ जाएगा।

अजब-गजब | फिजी में प्रचलित है ये अनोखा रिवाज

यहां लड़की का हाथ मांगने के लिए गिफ्ट करना होता है व्हेल का दांत

दुनिया में जितने देश हैं, उतनी मान्यताएं हैं। भारत में रह रहे लोगों की अलग-अलग मान्यताएं और रिवाज हैं। मुमकिन है कि दूसरे देशों को ये अटपटे लगें पर हमारे लिए इन रिवाजों का बहुत महत्व होता है। इसी प्रकार फिजी एक छोटा सा आइलेंड देश है जहां कई तरह के रिवाजों का पालन किया जाता है। फिजी में शादियों के लेकर एक खास मान्यता है जिसमें व्हेल मछली का योगदान है। यहां शादी से पहले लड़का, लड़कीवालों को व्हेल मछली का दांत गिफ्ट में देता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार फिजी में स्पर्म व्हेल के दांतों को टाबूआ कहते हैं। इसे लेकर यहां एक पुरानी मान्यता है। जब भी कोई लड़का, अपने लिए लड़की चुनता है तो उसका हाथ मांगने के साथ ही, वो लड़की के परिवार को व्हेल का दांत यानी टाबूआ गिफ्ट करता है। दांत गिफ्ट करने पर जब लड़कीवाले उसे अपना लेते हैं, तभी शादी तय मानी जाती है।

इस देश में व्हेल के दांतों को गिफ्ट करना

काफी आम मान्यता है, और शादी के अलावा, लोग अंतिम संस्कार, सगाई, जन्म, या माफी मांगने के लिए भी दांत भेंट करते हैं। इसे भेंट करने का कारण ये है कि जब कोई किसी को टाबूआ गिफ्ट करता है, तो उसका अर्थ होता है कि उसके लिए वो संबंध, वादा, भरोसा बहुत ज्यादा मायने रखता है और उसके लिए सबसे ऊपर है। टाबूआ का फिजी की भाषा में अर्थ होता है पवित्र।

हजारों रुपये में होती है एक दांत की कीमत

दांत का साइज अलग-अलग होता है, और इसे देश की राजधानी सूवा में कई दुकानों से खरीदा जा सकता है। ये मान्यता ग्रामीण इलाकों में ज्यादा प्रचलित है, पर शहरी इलाकों में भी लोग इसका पालन करते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि एक टाबूआ का दाम हजारों डॉलर तक हो सकता है। 1 किलो के दांत की कीमत 80 हजार रुपये तक हो सकती है। इतने महंगे दांतों को लोग इसलिए भी खरीदते हैं क्योंकि ये उनके इज्जत की बात होती है। कई लोग एक दांत ही खरीदते हैं और उसे पेंडेंट की तरह डोरी से बांधकर भेंट करते हैं, वहीं बहुत से लोग एक बार में कई खरीदकर उसे नेकलेस जैसा बनाकर भेंट करते हैं। अक्सर दांत जुटाने वाले लोग, मरी हुई स्पर्म व्हेल के मुंह से दांत निकाल लेते हैं, जो मरने के बाद बीच पर बह आती है। कई बार तो दांतों के लिए व्हेल का शिकार भी किया जाता है।

इटली में भालू को दी गई बच्चों सहित मौत की सजा

कई बार जंगली जानवर इंसानों पर हमला कर देते हैं। कई बार तो वे लोगों को मार भी देते हैं। लेकिन क्या आपने किसी जंगली जानवर को मौत की सजा मिलते सुना है। इटली में एक भालू को उसके बच्चों सहित मौत की सजा सुनाई गई है। बता दें कि भालू बहुत खूंखार जीव होते हैं। इटली में ऐसे ही एक खतरनाक भालू को मौत की सजा सुनाई गई है। इसकी वजह क्या है हम आपको बताते हैं। इटली के ट्रेंटो में इसी साल 5 मार्च को एक 26 साल का व्यक्ति एंड्रिया पापी जॉगिंग करने निकला था। उस दौरान एक भालू ने उस पर हमला कर दिया। भालू ने एंड्रिया को चीर-फाड़ दिया और इस हमले में उसकी मौत हो गई। इसके बाद से ही उस भालू को पकड़ने की मुहीम शुरू हो गई। एंड्रिया की गर्लफ्रेंड ने प्रशासन से अनुरोध किया कि भालू को पकड़कर उसे मौत की सजा दी जाए। इसके बाद जांच दल ने भालू के डीएनए टेस्ट से पता लगा लिया कि किस वाले जानवर ने शख्स को मारा था। इसके बाद उस भालू को उसके 3 बच्चों के साथ पकड़ लिया गया। ट्रेंटो के स्वायत्त प्रांत के राष्ट्रपति माउरिजियो फुगाटी ने भालू को मारने के लिए ऑर्डर दे दिया। भालू का नाम जेजे-4 रखा गया है। हालांकि एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट इस सजा के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि भालू को अब अगले हफ्ते मौत की नींद सुलाया जाएगा। आदेश के अनुसार, लोगों की सुरक्षा के लिए एहतियाती उपाय के रूप में, जानवर को मारना उचित है। जानवर को दूसरी जगह शिफ्ट करने का रिस्क भी नहीं लिया जा सकता, क्योंकि वहां भी वो किसी इंसान के संपर्क में आकर उनकी जान ले सकता है। अब एनिमिल राइट्स एक्टिविस्ट इटली के आधारभूत संरचना के मंत्री मैटियो सैलविनी से रहम की भीख मांग रहे हैं। भालू को पिछले महीने 17 अप्रैल को पकड़ा गया था। वो 17 साल का है और उस इलाके में सबसे बूढ़ा बताया जा रहा है।

जातिगत जनगणना जनता की मांग : लालू यादव

» आरजेडी सुप्रीमो ने कहा, बीजेपी करती है भेदभाव

» अंतरिम स्थगन आदेश के लिए बिहार सरकार जिम्मेदार: सुशील मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जातीय गणना पर लगी अंतरिम रोक के बाद बिहार में जोरों पर राजनीति होने लगी है। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने अब इस पर बीजेपी को आड़े हाथों लेते हुए करारा हमला बोला है। राजद प्रमुख ने शुक्रवार को ट्वीट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। लालू यादव ने कहा कि जातिगत जनगणना बहुसंख्यक जनता की मांग है और यह होकर रहेगा, भारतीय जनता पार्टी बहुसंख्यक पिछड़े हिंदुओं की गणना से डरती क्यों है?

जो जातीय गणना का विरोधी है वह समता, मानवता, समानता का विरोधी एवं ऊंच-नीच, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ेपन, सामाजिक व आर्थिक भेदभाव का समर्थक है। देश की जनता जातिगत जनगणना पर बीजेपी की कुटिल चाल और चालाकी को समझ चुकी है।

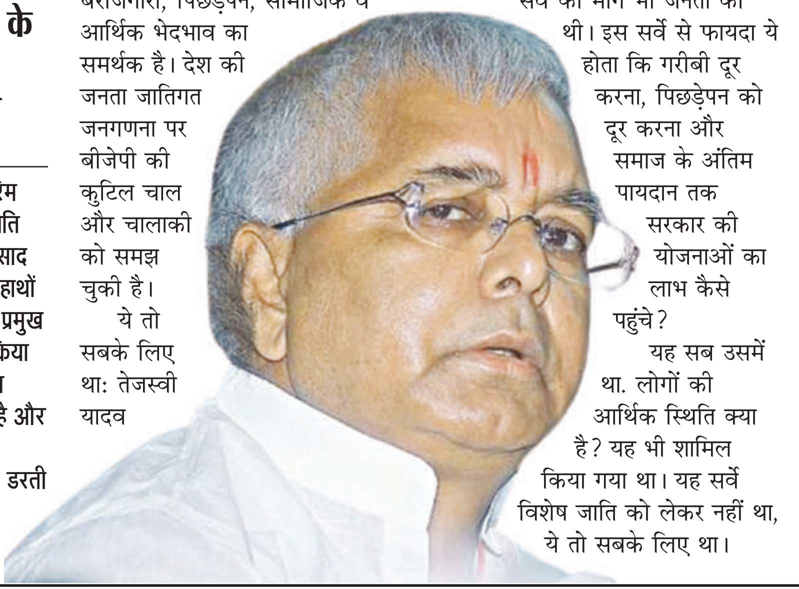

ये तो सबके लिए था: तेजस्वी यादव

तेजस्वी ने कहा कि जाति आधारित गणना लोगों के हित के लिए है। इस सर्वे की मांग भी जनता की थी। इस सर्वे से फायदा ये होता कि गरीबी दूर करना, पिछड़ेपन को दूर करना और समाज के अंतिम पायदान तक सरकार की योजनाओं का लाभ कैसे पहुंचे? यह सब उसमें था. लोगों की आर्थिक स्थिति क्या है? यह भी शामिल किया गया था। यह सर्वे विशेष जाति को लेकर नहीं था, ये तो सबके लिए था।

नीतीश कुमार ने जानबूझकर करवाया नाटक : सम्राट चौधरी

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार जानबूझकर यह सब नाटक करवाए हैं। हाई कोर्ट में नीतीश सरकार ने सही से पक्ष नहीं रखा. इस वजह से हाई कोर्ट की ओर से अंतरिम रोक लगा दी गई है. नीतीश कुमार को असंवैधानिक कार्य करने की आदत है. इस आदेश के लिए पूरी तरह से नीतीश कुमार जिम्मेदार हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि आज अगर हाई कोर्ट ने अंतरिम स्थगन आदेश दिया है तो इसके लिए बिहार की सरकार जिम्मेदार है। नीतीश कुमार को पिछड़ों से कोई मतलब नहीं है, उनका पिछड़ा विरोधी चेहरा बेनकाब हो गया है। उन्हें लगता है कि एमवाई समीकरण है जिसके कारण इनकी सरकार चल रही है। नेता विरोधी दल विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बीजेपी शुरू से ही जातीय जनगणना का इस आधार पर समर्थन किया था कि यह एक समान नीति, पद्धति एवं कार्यान्वयन प्रारूप बनाकर सबकी सहमति लेंगे और इसे पूरा कराएंगे, लेकिन पहले दिन से इनकी नीयत में खोट है, नीतीश पर हमला करते हुए कहा कि पहले इन्होंने 2022 में एनडीए छोड़ा और फिर इसके कार्यान्वयन के लिए त्रुटिपूर्ण नीति बनाई।

तीन जुलाई को फिर सुनवाई हाईकोर्ट ने कहा-डेटा सुरक्षित रखें

बिहार में हो रही जातीय जनगणना पर पटना हाईकोर्ट की ओर से फिलहाल रोक लगा दी गई है। पटना हाई कोर्ट ने कहा है कि इस मामले में अगली सुनवाई तीन जुलाई को होगी, तब तक कोई डेटा सामने नहीं आएगा। हाईकोर्ट ने अब तक के डेटा को सुरक्षित रखने के लिए भी कहा है।

तेज रफ्तार डंपर की ऑटो से भिड़ंत, पांच की मौत,10 घायल

» बहराइच में भीषण सड़क हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। लखनऊ मार्ग पर कैसरगंज कस्बे में गुरुवार रात एक बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। ऑटो सवार लोगों को एक डंपर ने रौंद दिया। हादसे में ऑटो सवार पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि 10 लोग गंभीर लोग से घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। मृत लोगों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सभी लोग तिलक कार्यक्रम से वापस अपने घर आ रहे थे।

जिले के हुजूरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पुरैनी निवासी मंशाराम की बेटी का विवाह कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र के रुकनापुर गांव से तय हुआ था। गुरुवार को तिलक कार्यक्रम था। जिस पर मंशाराम रिश्तेदार और परिवार के लोगों के साथ तिलक लेकर रूकनापुर गांव ऑटो से गया था। तिलक कार्यक्रम निपटाने के बाद सभी रात में वापस लौट रहे थे। रात एक बजे के आसपास सभी ऑटो सवार लखनऊ- बहराइच मार्ग पर कैसरगंज कोतवाली के मदनी हॉस्पिटल के सामने

पहुंचे। तेज रफ्तार में डंपर ने ऑटो को रौंद दिया। हादसे में मौके पर ही पांच लोगों की मौत हो गई। इसमें लड़की की बहन भी शामिल है। जबकि 10 लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। कोतवाल दद्दन सिंह, सीओ कमलेश सिंह, एसडीएम महेश कुमार कैथल भी पहुंच गए। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया।

कोतवाल ने बताया कि हादसे में ऑटो सवार पांच लोगों की मौत हुई है। जबकि 10 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि डंपर चालक दुर्घटना के बाद फरार हो गया है। उसके विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई है।

मर्डर की खुद जिम्मेदारी लेता था दुजाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

21 साल का जरायम की दुनिया का सफर एनकाउंटर में खत्म

नोएडा। दुर्दांत अनिल दुजाना अपराध की दुनिया में तेजी से नाम कमाना चाहता था। वह दुजाना गांव के ही कुख्यात अपराधी सुंदर सिंह की तरह लोगों में खौफ पैदा करना चाहता था। इसीलिए जब भी कोई हत्या करता तो वहां पर उसकी जिम्मेदारी स्वयं लेता था। हत्या के बाद शव के पास चिल्लाकर कहता था कि 'यह हत्या अनिल दुजाना ने की है'। गांव का नाम सुर्खियों में रखने के लिए अनिल नागर ने अपने नाम के पीछे दुजाना लिखना शुरू कर दिया। अनिल दुजाना जरायम की दुनिया में बड़ा नाम था। आधुनिक हथियारों से वारदातों को अंजाम देने वाले अनिल दुजाना का 21 साल का जरायम की दुनिया का सफर गुरुवार को एसटीएफ की गोली लगने के बाद खत्म हो गया है। दुजाना वेस्ट यूपी ही नहीं पूर्वांचल के गैंगस्टर के साथ भी वारदात को अंजाम देता था।

साल 2000 से पहले अनिल दुजाना नोएडा के सुंदर भाटी के लिए अवैध सरिया के कारोबार का कार्य करता था। शुरू से ही अपराध की दुनिया में नाम कमाने की महत्वाकांक्षा के चलते उसकी कारोबार में हिस्से को लेकर सुंदर भाटी से अनबन हो गई। इसके बाद वह नरेश भाटी गैंग के लिए काम करने लगा। लूटपाट और व्यापारियों से रंगदारी वसूलनी शुरू की। भाड़े पर हत्या करने लगा। वर्ष 2002 में गाजियाबाद के कविनगर थाने में उसके खिलाफ हत्या का पहला मुकदमा दर्ज हुआ। 28 मार्च 2004 को सुंदर भाटी ने नरेश भाटी की हत्या कर दी। तब नरेश भाटी गैंग की कमान उसके भाई रणपाल भाटी ने संभाली। नरेश भाटी की हत्या का बदला लेने के लिए रणपाल भाटी ने 2005 में सुंदर भाटी के भतीजे लाला फौजी की हत्या कर दी। वारदात के बाद प्रदेश सरकार ने रणपाल भाटी की गिरफ्तारी के लिए 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। वहीं, वर्ष 2006 में बुलंदशहर पुलिस ने रणपाल भाटी को एनकाउंटर में मार गिराया। रणपाल भाटी के मारे जाने के बाद गैंग की कमान नरेश भाटी के छोटे भाई रणदीप भाटी एवं उसके भांजे अमित कसाना ने संभाल ली। उसकी गैंग में अनिल दुजाना, नरेंद्र उर्फ नंदू शामिल हो गए। इसके बाद तीनों ने मिलकर जरायम की दुनिया में पीछे मुड़कर नहीं देखा। तब तक अनिल दुजाना पर 50 हजार का इनाम घोषित हो चुका था। इसके बाद से अनिल दुजाना एवं सुंदर भाटी गैंग के बीच गैंगवार चली आ रही है।

बड़ा बदमाश होने के चलते हुई थी शादी

फरवरी 2019 में महाराजगंज जेल में रहते हुए ही अनिल दुजाना के साथी योगेश डाबरा व वीरेंद्र निवासी चपरगढ़ थाना दनकौर ने गिटोरा निवासी प्रिया पुत्री लीलू से अनिल दुजाना की शादी करा दी थी। लीलू का अपने गांव के राजू पहलवान से संपत्ति का विवाद चल रहा था। राजू पहलवान ने अपनी पुत्री की शादी बदमाश हरेंद्र खड़खड़ी के साथ कर दी थी। बड़ा बदमाश होने के कारण लीलू ने अपनी बेटी की शादी अनिल दुजाना से की थी।

नाइटराइडर्स के आगे फीकी पड़ी सनराइजर्स

» कोलकाता ने हैदराबाद को पांच रन से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आईपीएल के 47वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को अपने होमग्राउंड राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में हार का सामना करना पड़ा। उसे कोलकाता नाइटराइडर्स ने पांच ओवर में हरा दिया। कोलकाता के कप्तान नीतीश राणा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उनकी टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 171 रन बनाए। जवाब में सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 166 रन ही बना सकी।

सनराइजर्स हैदराबाद को कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ आखिरी ओवर में नौ रन बनाने थे। ऐसे में नीतीश राणा ने स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को गेंदबाजी के लिए बुलाया। उनके सामने विस्फोटक बल्लेबाज अब्दुल समद और भुवनेश्वर कुमार थे। वरुण ने शुरुआती दो गेंद पर दो रन दिए। तीसरी गेंद पर उन्होंने अब्दुल समद को अनुकूल रॉय के हाथों कैच कराया। समद के क्रीज पर मयंक मार्कंडे आए। वह चौथी गेंद पर रन नहीं बना पाए। पांचवीं गेंद पर उन्होंने एक रन लिया। स्ट्राइक भुवनेश्वर कुमार को मिली। उन्हें मैच जीतने के लिए छक्का लगाना था, लेकिन वरुण ने उन्हें एक रन भी नहीं बनाने दिया और टीम को जीत दिला दी।

कोलकाता के कप्तान नीतीश राणा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उनकी टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 171 रन बनाए। जवाब में सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 166 रन ही बना सकी। हैदराबाद और कोलकाता के बीच 2020 से यह आठवां मुकाबला था। कोलकाता ने छठी जीत हासिल की है।

क्लासेन और मार्करम की पारी बेकार

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए कप्तान एडेन मार्करम ने 41 और हेनरिच क्लासेन ने 36 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 47 गेंद पर 70 रन की साझेदारी की। एक समय सनराइजर्स का स्कोर 6.2 ओवर में चार विकेट विकेट पर 54 रना था। राहुल त्रिपाठी 20, मयंक अग्रवाल 18, अभिषेक शर्मा नौ रन बनाकर आउट हुए थे। हैरी ब्रूक तो खाता भी नहीं खोल पाए। चार विकेट गिरने के बाद मार्करम और क्लासेन ने टीम की वापसी कराई। अंत में अब्दुल समद ने 18 गेंद पर 21 रन जरूर बनाए, लेकिन वह मैच को फिनिश नहीं कर पाए। समद ने एक बार फिर फ्रेंचाइजी को निराश किया।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

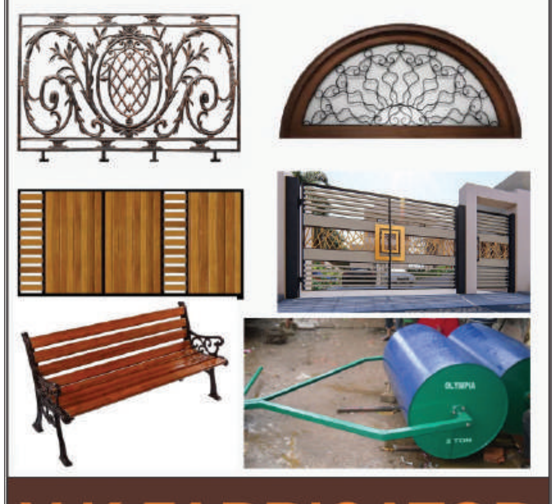

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

मणिपुर : हालात नियंत्रण में, फ्लैग मार्च जारी

अभी ट्रेनों की आवाजाही पर रोक, सेना ने कहा- सबसे मिलकर की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इम्फाल। मणिपुर में बहुसंख्यक मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने के खिलाफ हो रहा विरोध प्रदर्शन उग्र हो गया। कई संगठनों ने बुधवार को 'आदिवासी एकता मार्च' का आह्वान किया, जिसमें हिंसा भड़क गई थी। जहां शुक्रवार सुबह ट्रेनों की आवाजाही पर रोक लगने की जानकारी सामने आई। वहीं भारतीय सेना ने बताया कि अब मणिपुर में हालात नियंत्रण में हैं। सभी कर्मचारियों द्वारा मिलकर कार्रवाई करने से हालात को काबू में लाया जा सका है।

भारतीय सेना के अनुसार, वायु सेना ने सी-17 ग्लोबमास्टर और यूएन 32 वायुयानों से लगातार दो दिन असम में उड़ानें भरीं। प्रभावित क्षेत्रों से सभी नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रात भर उड़ानें भरी गईं। वहीं, चुराचांदपुर और अन्य संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च जारी है।

इसलिए भड़की हिंसा

मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल करने की मांग के विरोध में छात्रों के संगठन 'ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर' (एटीएसयूएम) ने मार्च बुलाया था। 'आदिवासी एकता मार्च' के नाम से हो रहे प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि रैली में हजारों आंदोलनकारियों ने हिस्सा लिया और इस दौरान तोरबंग इलाके में आदिवासियों और गैर-आदिवासियों के बीच झड़प शुरू हो गई। अधिकारी ने बताया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे।

परिवारों ने असम में शरण ली

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मणिपुर संकट पर चिंता जताई है और राज्य की हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में हाल की घटनाओं से प्रभावित कई परिवारों ने असम में शरण ली है। मैंने कछार के जिला प्रशासन से इन परिवारों की देखभाल करने का अनुरोध किया है। मैं मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के साथ भी लगातार संपर्क में हूं और इस संकट की घड़ी में असम सरकार ने पूरा समर्थन देने का संकल्प लिया है।

अंग्रेजों से आगे निकली बीजेपी : नीता डिसूजा

मणिपुर में महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष नीता डिसूजा ने बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मणिपुर पिछले 4 दिनों से जल रहा है। क़ानून व्यवस्था नाम की चीज नहीं बची। गवर्नर ने अपने ही नागरिकों के खिलाफ गोली मारने का आदेश दिया है। सोचिए ये लोग अंग्रेजों से भी आगे निकल गए हैं। वहीं प्रचारमंत्री और ग्रहमंत्री कर्नाटक में नफरत फैलने में व्यस्त हैं।

हाईकोर्ट ने मणिपुर सरकार को दिया है यह आदेश

मणिपुर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा था कि वह राज्य की आबादी में 53 प्रतिशत हिस्सा रखने वाले गैर-आदिवासी मैतेई समुदाय की एसटी दर्जे की मांग पर चार हफ्ते में केंद्र को सिफारिश भेजे। इसके बाद एसटी दर्जे की मांग के खिलाफ चुराचांदपुर जिले में ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने आदिवासी एकजुटता मार्च का आयोजन किया था। पुलिस के अनुसार, मार्च के दौरान हथियारबंद भीड़ ने कथित तौर पर मैतेई समुदाय के लोगों पर हमला कर दिया। जवाबी कार्रवाई में भी हमले हुए, जिससे पूरे राज्य में हिंसा भड़क गई। दुकानों और घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की गई।

फोटो: सुमित कुमार

कार्यक्रम एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022 के लोगो एंथम, मैस्काट, जर्सी एवं टॉर्च का अनावरण किया। इस अवसर पर केंद्रीय युवा मामले खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और उत्तर प्रदेश खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव भी मौजूद रहे। इस अवसर पर उन्होंने खेलो इंडिया की वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

राजौरी में सुरक्षाबलों की आतंकियों से मुठभेड़

फायरिंग में दो जवान शहीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में शुक्रवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में दो जवानों के शहीद होने की खबर है। जानकारी के मुताबिक सुरक्षाबलों को राजौरी में आतंकियों की सूचना मिली थी। बताया जा रहा है कि इलाके में 2 से 3 आतंकवादियों को सुरक्षाबलों ने घेर रखा है।

सुबह से जारी यह मुठभेड़ राजौरी जिले के बनयारी पर्वतीय क्षेत्र के डोक इलाके की बताई जा रही है। जिसको लेकर अतिरिक्त

पुलिस महानिदेशक जम्मू जोन, मुकेश सिंह ने बताया कि कांडी वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। सेना के सूत्रों के मुताबिक इलाके में आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। जिसकी सूचना पर सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीम ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया।

इस दौरान आतंकियों को जैसे ही भनक मिली। वे सामने से फायरिंग करने लगे। जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की। यहां पर दो से तीन की संख्या में आतंकवादी छिपे हो सकते हैं।

उजागर हुई सहारा हॉस्पिटल की लापरवाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जिला उपभोक्ता आयोग प्रथम लखनऊ के अध्यक्ष रहे पूर्व न्यायाधीश अशरफ जमाल सिद्दीकी की मृत्यु के 13 साल बाद इलाज में लापरवाही सामने आई है। राज्य उपभोक्ता आयोग ने उनकी पत्नी को एक करोड़ 50 हजार रुपये भुगतान करने का आदेश दिया है। आयोग की ओर से किसी संस्थान पर लगाए गए हर्जाने की ये सबसे बड़ी रकम है।

न्यू हैदराबाद लखनऊ निवासी अशरफ जमाल सिद्दीकी जिला फोरम के अध्यक्ष रहते अप्रैल 2010 में अस्वस्थ हुए। पत्नी का कहना है कि शरीर का तापमान अत्यधिक होने पर 27 अप्रैल को सहारा हास्पिटल लखनऊ में भर्ती कराया गया। उस समय अंग भली प्रकार कार्य कर रहे थे अचानक पांच मई 2010 को उनको वेंटिलेटर पर रख दिया गया। अनावश्यक रूप से उन्हें खून चढ़ाया गया, होश में आने के बाद भी परिवार वालों से मिलने नहीं दिया गया। 17 मई को डा. सुनील वर्मा ने डायलिसिस करने को कहा। सहारा हास्पिटल वाले एक के बाद एक टेस्ट करते रहे लेकिन, रोग को पहचान नहीं पाए। पूर्व न्यायाधीश को जब एसजीपीजीआई भेजा गया, उसी दिन उनकी मृत्यु हो गई।

13 साल बाद उपभोक्ता आयोग ने लगाया एक करोड़ 50 हजार का हर्जाना

पत्नी ने भेजा था हॉस्पिटल को विधिक नोटिस

पत्नी ने सहारा हास्पिटल को विधिक नोटिस 13 नवंबर 2010 को भेजा लेकिन, कोई उत्तर नहीं दिया गया, तब राज्य उपभोक्ता आयोग में वाद दाखिल किया। राज्य आयोग के पीठासीन सदस्य राजेंद्र सिंह व सदस्य विकास सक्सेना ने इस मामले की सुनवाई की। सहारा हास्पिटल की ओर से बताया गया कि सिद्दीकी को पर्किंसोनिस्म, फिस्टुला इन एनो यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन सेप्टिसीमिया होने से उनकी हालत अत्यंत खराब थी। कई डाक्टरों ने परीक्षण किया, सहारा हास्पिटल से इलाज से संबंधित सारे प्रपत्र और हिस्ट्रीशीट मंगाकर आयोग ने अवलोकन किया।

सहारा हॉस्पिटल ने दी थीं गलत दवाएं

आयोग सदस्य ने विभिन्न चिकित्सीय लेखों, सर्वोच्च न्यायालय व राष्ट्रीय आयोग के निर्णयों का संदर्भ देते हुए पाया कि सहारा हास्पिटल ने इस मामले में गलत दवाएं देकर मरीज की घोर उपेक्षा की है। हास्पिटल ने यह जानते हुए कि वे मरीज का इलाज भली प्रकार नहीं कर पा रहे, उन्हें समय रहते एसजीपीजीआई नहीं भेजा और जब संदर्भित किया तो उसी दिन पूर्व न्यायाधीश की मृत्यु हो गयी। अनावश्यक उन्हें हास्पिटल में क्यों रखा गया इसका अस्पताल प्रशासन जवाब नहीं दे सका। आयोग ने अस्पताल को आदेश दिया कि पूर्व न्यायमूर्ति की पत्नी को 70 लाख रुपये, चिकित्सीय लापरवाही व अवसाद के मद में 30 लाख रुपये और वाद व्यय के रूप में 50 हजार रुपये देने होंगे। इन धनराशि पर 27 अप्रैल 2010 से 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित 60 दिन में अदा करें, अन्यथा ब्याज की दर 15 प्रतिशत होगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।